सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

मैं हमेशा के लिए जीना चाहता हूं या इस कोशिश में मरना।
ग्रुशु मार्क्स

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 100 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 15 मई, 2023



कांग्रेस की जीत 2024 के लिए शुभ... 7
पायलट के उड़ान पर लगेगी... 3
बीजेपी ने धांधली न की होती तो... 2


# कर्नाटक का मुख्यमंत्री कौन, माथा-पच्ची जारी

## सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दौड़ में

» कांग्रेस अध्यक्ष करेंगे नाम का फैसला

» कई विधायक सिद्धारमैया के पक्ष में

» विधायकों ने पर्ची में नाम लिख कर आलाकमान को सौंपा

» खरगे के सामने खोली जाएगी विधायकों की पर्ची

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में प्रचंड जीत के बाद सीएम की कुर्सी के लिए कांग्रेस में माथापच्ची शुरू हो गई। मुख्यमंत्री पद को लेकर सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच तगड़ा मुकाबला है। इसका फैसला आज होने की उम्मीद है। अध्यक्ष मल्लिकार्जुन सबका मन टटोल रहे हैं उनका फैसला ही अंतिम होगा।

सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस विधायकों में दलित, अल्पसंख्यक, आदिवासी, ओबीसी विधायक सिद्धरामैया के पक्ष में हैं। कई विधायकों ने अपनी पसंद बताने की बजाय आलाकमान के पक्ष में मत जाहिर किया है। सूत्रों के मुताबिक विधायकों की रायशुमारी में सिद्धरमैया को बढ़त है। विधायकों से अपनी पसंद पर्चे पर लिख कर देने को कहा गया, खरगे के सामने रिपोर्ट के साथ पर्चे भी खोले जाएंग। सीएम की पसंद जानने के लिए कल रात पर्यवेक्षकों के सामने विधायकों की गुप्त वोटिंग करवाई गई। विधायकों को पर्चे दिए गए, जिसमें अपनी राय लिखकर देने को कहा गया। इससे निष्पक्ष तरीके से पता चल पाएगा कि किसके पाले में कितने विधायक हैं। बता दें कि कांग्रेस विधायक दल की बैठक बेंगलुरु के एक होटल में हुई और यह देर रात करीब डेढ़ बजे तक चली।

### विधायकों से मौखिक और लिखित दोनों राय ली गई: बीके हरिप्रसाद

कर्नाटक से कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने बताया कि गुप्त मतदान कराया गया और एक लाइन का प्रस्ताव पारित किया गया। पर्यवेक्षकों ने प्रत्येक विधायक से भी बात की। मौखिक और लिखित दोनों तरह से उनकी राय ली गई। निर्णय दिल्ली भेजा गया है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सोनिया गांधी, राहुल गांधी से बात करने के बाद निर्णय लेंगे।

### सुशील कुमार शिंदे ने डीके शिवकुमार को दी जन्मदिन की बधाई

कांग्रेस महासचिव सुशील कुमार शिंदे और अन्य नेताओं ने कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष डीके शिवकुमार को उनके 62वें जन्मदिन पर बधाई दी।

### जो भी जिम्मेदारी मिलेगी, उसके लिए तैयार- डीके शिवकुमार

पर्यवेक्षकों से मिलने पहुंचे डीके शिवकुमार ने कहा है कि वो दिल्ली नहीं जा रहे। कांग्रेस सूत्रों ने रविवार को बताया था कि डीके शिवकुमार और सिद्धारमैया दिल्ली जाएंगे। डीके ने यह भी कहा कि मुझे जो भी जिम्मेदारी मिलेगी उसके लिए तैयार हूं। मेरी पार्टी हाईकमान इसका फैसला करेगी।

### दिल्ली जाकर देंगे रिपोर्ट : भवर जितेंद्र सिंह

हमने सभी विधायकों से बात की है। बातचीत रात के करीब 2 बजे तक चली है। अब हम दिल्ली जा रहे हैं, वहां कांग्रेस के अध्यक्ष को अपनी रिपोर्ट सौपेंगे। सभी विधायकों से राय ली गई है। हम अब दिल्ली जा रहे हैं, रिपोर्ट बनाकर कांग्रेस अध्यक्ष को पेश करेंगे।

### जल्द होगा सीएम के नाम का एलान : सुरजेवाला

कांग्रेस नेता और कर्नाटक चुनाव के प्रभारी रहे रणदीप सुरजेवाला ने कहा है कि पार्टी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, नए मुख्यमंत्री के चुनाव में ज्यादा समय नहीं लेंगे और जल्द ही इसका एलान कर दिया जाएगा। उन्होने कहा खरगे हमारे वरिष्ठ हैं और वह इस धरती के बेटे हैं और मुझे पूरी उम्मीद है कि वह ज्यादा समय नहीं लेंगे। सुरजेवाला ने ये भी कहा कि पहली कैबिनेट बैठक में ही कांग्रेस के घोषणा पत्र में किए गए पांच गारंटी वादों को लागू किया जाएगा।

# खरगे पर 100 करोड़ का मानहानि केस

» बजरंग दल पर गलत बयान देने का मामला

» संगरूर कोर्ट ने भेजा समन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

### 10 जुलाई को पेश होने को कहा

केस पर सीनियर डिवीजन जज रमनदीप कौर ने मल्लिकार्जुन खरगे को समन जारी करते हुए दस जुलाई 2023 को संगरूर अदालत में तलब किया है। यह जानकारी हितेश भारद्वाज द्वारा दी गई। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को माननीय अदालत ने समन जारी किया है।

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे बजरंग दल पर बयान देकर अब फंसते दिख रहे हैं। खरगे को बजरंग दल के मानहानि मामले में समन जारी हुआ है। संगरूर की जिला अदालत के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) रमनदीप कौर ने सौ करोड़ रुपये के मानहानि केस में खरगे को समन जारी किया है।

हितेश भारद्वाज ने संगरूर कोर्ट में खरगे के खिलाफ सौ करोड़ रुपये मानहानि की याचिका दायर की है।

# धनखड़ और रिजिजू को सुप्रीम राहत

» न्यायपालिका पर टिप्पणी का मामला

» शीर्ष अदालत का याचिका पर विचार करने से इनकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए न्यायपालिका और कॉलेजियम प्रणाली पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू की टिप्पणी पर राहत दी है। अदालत ने दोनों के खिलाफ जनहित याचिका खारिज करने के बॉम्बे हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू के खिलाफ याचिका में कार्रवाई करने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान स्ष्ट ने कहा कि याचिका विचार करने योग्य नहीं है। दरअसल, बॉम्बे लॉयर्स एसोसिएशन नाम की संस्था ने कहा था कि दोनों ने सुप्रीम कोर्ट के सम्मान के खिलाफ बयान दिए हैं और वो संवैधानिक पद पर रहने के योग्य नहीं हैं। इससे पहले बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी ये याचिका खारिज कर दी थी। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने याचिका को खारिज किया है। याचिका में दावा किया गया था कि रिजिजू और धनखड़ ने अपनी टिप्पणियों और आचरण से संविधान में आस्था का अभाव व्यक्त किया है।

# बीजेपी ने धांधली न की होती तो सभी सीटें जीतते : अखिलेश यादव

## सपा अध्यक्ष ने चुनाव आयोग पर भी उठाया सवाल

### » 2024 में भाजपा को करारा सबक सिखाएंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने छलकपट, सत्ताबल और धनबल का दुरुपयोग करते हुए धांधली की। निष्पक्ष चुनाव हुआ होता तो पार्टी सभी सीटों पर जीतने में कामयाब रहती। जारी बयान में सपा अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि निकाय चुनाव में शासन प्रशासन ने भाजपा एजेंट के तौर पर काम किया। यह चुनाव भाजपा ने नहीं, प्रदेश की सरकार ने लड़ा। यह पूरी तरह से सरकार के प्रबंधन का चुनाव था। भाजपा के पक्ष में नतीजों के लिए हर तरह के षड्यंत्र किए गए। मुख्यमंत्री लोगों को गुमराह करने में सत्ता का दुरुपयोग करने में लगे रहे।

उन्होंने नगर निकाय चुनाव में जीते सपा के सभी प्रत्याशियों एवं भाजपा के खिलाफ लड़कर जीतने वाले सभी अन्य प्रत्याशियों को भी जीत पर बधाई दी है। कहा कि नगरों से थोड़ा बाहर आते ही हर हथकंडे अपनाकर भी भाजपा बुरी तरह हारी है। भाजपा ने चुनावों को प्रभावित करने के लिए मतदाता सूची से वोट कटवाने से लेकर, फर्जी वोट डलवाए, मतगणना धीमी कराई। खेद की बात है कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव का दायित्व निभाने की जिम्मेदारी राज्य चुनाव आयोग की होते हुए भी उसकी भूमिका संदिग्ध बनी रही। जनता के मतों की लूट और निकायों पर जबरन कब्जा भाजपा को बहुत मंहगा पड़ेगा। प्रदेश के लाखों लाख मतदाता अब सन् 2024 का इंतजार कर रहे हैं जब वे भाजपा को करारा सबक सिखाएंगे। समाजवादी पार्टी ने निकाय चुनाव के पहले चरण में हुई धांधलियों की शिकायत करते हुए दूसरे चरण के चुनावों में भयमुक्त वातावरण में मतदान के लिए पुख्ता इंतजाम करने की मांग की थी। मतगणना के समय विपक्ष की आवाज को दबाने के लिए बल प्रयोग तक किया गया। लेकिन चुनाव आयोग मूकदर्शक बन गया। सच तो यह है कि नगर निकाय चुनावों में भाजपा फरेबी मतगणना से जीती है, मतदान से नहीं। भाजपा की यह तथाकथित चुनावी जीत लोकतंत्र के साथ छल, संविधान की शपथ की अवहेलना और जनमत का अपमान है। लोकतंत्र का इससे बड़ा उपहास हो ही नहीं सकता है।

## बैलेट पेपर से चुनाव होता तो बसपा आगे होती : मायावती

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा कि अगर मेयर पद का चुनाव बैलेट पेपर से होता तो बसपा को भी जीत मिलती। उन्होंने भाजपा पर सत्ता के दुरुपयोग का भी आरोप लगाया। नगर निकाय चुनाव के परिणामों पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा है कि इस चुनाव में भाजपा के साम दाम दंड भेद आदि अनेक हथकंडों के इस्तेमाल के साथ ही सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग से बीएसपी चुप होकर बैठने वाली नहीं है। वक्त आने पर इसका जवाब बीजेपी को जरूर मिलेगा। उन्होंने कहा कि अगर यह चुनाव भी फ्री एंड फेयर होता तो नतीजों की तस्वीर कुछ और होती। बैलेट पेपर से चुनाव होने पर बसपा मेयर चुनाव भी जरूर जीतती। उन्होंने कहा कि वैसे चाहे भाजपा हो या सपा दोनों ही पार्टियां सत्ता का दुरुपयोग करके चुनाव जीतने में कम नहीं है। इस कारण सत्ताधारी पार्टी ही अधिकतर ऐसे चुनाव जीतने में सफल हो जाती है और इस बार भी यही हुआ है।

## निष्क्रिय नेताओं को बाहर करेगी कांग्रेस

लखनऊ। निकाय चुनाव में कांग्रेस शीघ्र ही अपनी करारी हार के कारणों की समीक्षा करेगी। साथ ही जहां भितरघात और स्थानीय नेताओं की निष्क्रियता के कारण यह स्थिति पैदा हुई होगी, वहां ऐसे नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। लोकसभा और विधानसभा के बाद अब निकाय चुनाव में भी करारी हार कांग्रेस के लिए चिंता का सबब है। प्रदेश के 760 नगर निकायों में कांग्रेस के हाथ सिर्फ चार नगर पालिका परिषद और 14 नगर पंचायतें ही लगीं। यहां उसके अध्यक्ष बने हैं। जबकि, चुनाव से पहले उसके नेता परिणाम चौंकाने वाले होने का दावा कर रहे थे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बृज लाल खाबरी शीघ्र ही समीक्षा बैठक करेंगे। अलग-अलग क्षेत्रों में भी इसी तरह की बैठकें की जाएंगी, ताकि हार के कारणों की पड़ताल करते हुए आगे की रणनीति बन सके। इस बारे में प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि इस चुनाव से सबक लेते हुए लोकसभा की तैयारी में जुटेंगे।

# मैं घोषणा मशीन नहीं हूं: कमलनाथ

### » लोगों को पूरा हिसाब दूंगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मप्र के पूर्व सीएम कमलनाथ ने उन्होंने सीएम शिवराज पर तंज कसते हुए कहा कि मैं घोषणा मशीन नहीं हूं, मैं क्रियान्वयन पर यकीन करता हूं। इससे पहले कमलनाथ के सामने जाट समाज ने इस महाकुंभ के संबंध में जाट समाज का मांग पत्र भी प्रस्तुत किया। इसके जवाब में कमलनाथ ने उक्त बात कही।

उन्होंने कहा कि आपने अपनी मांगें रखी, मैंने आपकी मांगें सुनी कमलनाथ घोषणा मशीन नहीं है, मैं क्रियान्वयन में विश्वास करता हूं और अगला जब आपका सम्मेलन होगा तो मैं आपको हिसाब दूंगा।

## हमारे देश की संस्कृति जोड़ने वाली है

कमलनाथ ने कहा कि आज भारी संख्या में हमारे नौजवान यहां हैं, मैं नौजवानों से पूछना चाहता हूं, आज विश्व में ऐसा कोई देश है, जहां इतने धर्म हैं, जहां इतनी जातियां हैं, जहां इतनी भाषाएं है, इतने देवी देवता हैं। विश्व में कोई ऐसा देश नहीं है, जहां इतने त्यौहार हुए हैं। हम यहां से दक्षिण जाते हैं तो हमारा पजामा और धोती भी लूंगी बन जाता है। यह हमारा देश है। अपना देश एक झंडे के नीचे खड़ा है तो इसलिए खड़ा है कि हमारे देश की संस्कृति जोड़ने की संस्कृति है। हम दिल जोड़ते हैं, रिश्ता जोड़ते हैं।

# कर्नाटक की तरह हर राज्य में दे सकते हैं बीजेपी को मात : पवार

### » सीएमपी पर काम करना जरूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कर्नाटक। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के प्रमुख शरद पवार ने कहा कि कर्नाटक मॉडल को अन्य राज्यों में भी लागू करने की जरूरत है और इसके लिए समान विचारधारा वाली पार्टियों को साझा न्यूनतम कार्यक्रम (सीएमपी) पर काम करना होगा। बता दें, शरद पवार मुंबई में अपने आवास पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के नेता डी. राजा से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने भाजपा का विकल्प उपलब्ध कराने पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक विधानसभा चुनाव ने एक संदेश दिया है कि हमें दूसरे राज्यों में भी कर्नाटक जैसी स्थिति पैदा करने की जरूरत है। कर्नाटक में कांग्रेस ने अकेले भाजपा का विकल्प दिया, लेकिन अन्य राज्यों में, समान विचारधारा वाले दलों को एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम (सीएमपी) पर काम करना होगा। इसके लिए हम दोनों मोर्चों (कर्नाटक और सीएमपी जैसी रणनीति बनाने) पर काम करेंगे।

## अजेय होने का मिथक टूटा

वहीं, राजा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने के लिए आम राय बनाने की बात कही। उन्होंने कर्नाटक चुनाव परिणाम का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य स्तर की रणनीति पर काम किया जा सकता है। भाजपा को हराया जा सकता है और वह 2024 के संसदीय और साथ ही राज्य (महाराष्ट्र) चुनाव हारेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के अजेय होने का मिथक टूट गया है।

# मैं अकेलापन महसूस कर रहा हूं: सत्येंद्र जैन

### » जेलर को लिखी चिट्ठी, साथ में और कैदी रखे जाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मनी लॉन्ड्रिंग केस में तिहाड़ जेल में बंद दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सतेंद्र जैन ने अपने साथ कम से कम दो से तीन कैदियों को रखने के लिए लिखी एप्लीकेशन। सतेंद्र जैन ने 11 मई को लिखी इस एप्लीकेशन में लिखा कि वो काफी अकेलापन महसूस कर रहे हैं और मनोचिकित्सक ने उन्हें अकेला नहीं रहने और सामाजिक दायर बढ़ाने की सलाह दी है। उनकी इस दरख्वास्त पर जेल संख्या 7 के सुपरिंटेंडेंट ने उनके सेल में 2 कैदियों को ट्रांसफर भी कर दिया है। लेकिन जैसे ही तिहाड़ जेल के प्रशासन को इसकी भनक लगी तो तुरंत ही उन दोनों कैदियों को वापस भेज दिया गया।

जेल प्रशासन के अनुसार सुपरिंटेंडेंट ने बगैर प्रशासन को बताए ये निर्णय लिया, जबकि प्रक्रिया के तहत बगैर प्रशासन की जानकारी में डाले और इजाजत लिए, ऐसा नहीं किया जा सकता। जेल प्रशासन का कहना है कि जेल अधीक्षक हायर अथॉरिटी से सहमति लिए बगैर ऐसा नहीं कर सकते।

# साहेब की हार पर भागवत क्यों खामोश : प्रमोद कृष्णम

### » 2024 चुनाव में भी कांग्रेस की लहर आएगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कर्नाटक के नतीजों पर बड़ा बयान दिया है, उन्होंने कहा कि बीजेपी की छोटी-छोटी जीत पर लंबा-लंबा भाषण देने वाले आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत इतनी बड़ी हार पे इतने खामोश क्यूं हैं? आचार्य प्रमोद ने तंज कसते हुए ट्वीट करके पूछा कि क्या साहेब को झटका लगने से ज्यादा खुश हैं या ज्यादा दु:खी।

इसके पहले प्रमोद कृष्णम ने कर्नाटक में कांग्रेस की जीत पर बोला था कि विधानसभा की तरह 2024 लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस की लहर आएगी। उन्होंने कहा था कि बजरंग बली की कृपा कांग्रेस पर हुई है। जिस वजह से बजरंग दल हार गया बजरंग बली की जीत हुई है। इसके अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जब कांग्रेस को कर्नाटक में जीत की बधाई दी थी तब भी प्रमोद कृष्णम ने प्रधानमंत्री पर तंज कसा था और कहा था कि 2024 लोकसभा चुनाव में भी ऐसे दिल खोल कर बधाई दीजिएगा।

## भारत जोड़ो यात्रा को दिया कर्नाटक में जीत का श्रेय

कर्नाटक में जीत का श्रेय का राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा को दिया है। वहीं कर्नाटक के बाद अब राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव होने है। कर्नाटक के बाद राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के आगामी विधानसभा चुनाव होने हैं। कर्नाटक में जीत ने कांग्रेस का आने वाले चुनाव में आत्मविश्वास और दोगुना हो गया है।

# पायलट के उड़ान पर लगेगी लगाम!

## राजस्थान में कलह, कांग्रेस को पड़ सकती है भारी

» भाजपा के लिए भी नहीं है राह आसान

» राजे-सचिन के तेवर से सियासत गरमाई

कर सकते हैं बड़ी घोषणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कर्नाटक में कांग्रेस की प्रचंड जीत से न केवल उसको एक राज्य की सत्ता मिली बल्कि राहुल का भी कद बढ़ गया। कर्नाटक में उसकी सरकार बनने से अब चार राज्य कांग्रेस के पास हो जाएंगे हालांकि इस वर्ष राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भी चुनाव हैं। जिसमें छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल का काम बढ़िया है उनको जनता पसंद करती है इसलिए वह हो सकता है फिर से सत्ता में वापसी कर जाए परंतु राजस्थान में कांग्रेस की राह सचिन पायलट की वजह से मुश्किल में फंस सकती है हालांकि अभी कहना जल्दबाजी होगी। लेकिन अगर गहलोत मैनेज कर गए तो राजस्थान में सरकार बरकरार रह सकती है।

राजस्थान में सचिन पायलट और उनके समर्थक पिछले 4 साल 7 महीने से निरंतर संघर्ष कर रहे हैं। कभी मानेसर होटल में तो कभी सड़क पर। लेकिन अब समय आ गया है, जब सचिन पायलट कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। इसके संकेत पायलट ने 9 मई को अपने आवास पर हुई प्रेस कांफ्रेंस में दिए थे। पायलट ने कई बार कहा कि अब समय आ गया है पर किस बात का समय आया है वो पायलट ने नहीं बताया। हालांकि, पायलट के इस बयान पर जानकार कहते हैं कि पायलट अपना मन बना चुके हैं और सड़क पर उतरकर अपने साथ जनता की नब्ज टटोल रहे हैं। पायलट के साथ रणनीतिकार भी जुड़ चुके हैं, जो पायलट को पल-पल गाइड कर रहे हैं।

इसी क्रम में पायलट ने 11 तारीख को चुना है। 11 अप्रैल को पायलट अनशन पर बैठे थे, 11 मई को अजमेर से यात्रा की शुरुआत की और अब सूत्र बता रहे हैं कि 11 जून को पायलट अपने राजनीतिक जीवन का एक बड़ा फैसला लेने जा रहे हैं। राजस्थान के पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट के लिए 11 तारीख का काफी महत्व है। यह वही आंकड़ा है, जिन दिन पायलट के सिर से उनके पिता का हाथ उठ गया था। 11 ही वह आंकड़ा है, जिस दिन वह अनशन पर बैठे थे। 11 वही आंकड़ा है, जिस दिन उन्होंने अजमेर से जन संघर्ष आया शुरू की थी। 9 जून को उनके आवास पर हुई बैठक में उन्होंने कहा था कि 11 को वह कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं।

### पायलट के अन्य विकल्प, आप डाल रही है डोरे

सचिन पायलट को निरंतर आप से बुलावा आ रहा है। आप राजस्थान में अपने पैर जमाने के लिए पायलट को बैसाखी बना सकती है। सूत्रों के अनुसार, सचिन पायलट आप को चुनते हुए नजर नहीं आते हैं। कारण साफ है कि पायलट अब किसी और की सरपरस्ती में अपने राजनीतिक जीवन को आगे नहीं बढ़ाना चाहेंगे। जो कांग्रेस में हुआ वो कल पायलट के साथ आप में भी दोहराया जा सकता है।दूसरा विकल्प हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी है, जिसके साथ पायलट हाथ मिला सकते हैं। परंतु यह समझौता ज्यादा नजर आता नहीं है। पायलट को लेकर निरंतर अटकलें लगाई जाती हैं कि वो भाजपा का दामन थाम सकते हैं। लेकिन सूत्र कहते है कि पायलट ने लंबी लड़ाई राजस्थान के मुख्यमंत्री के लिए लड़ी है। भाजपा में पायलट का यह सपना पूरा नहीं हो सकता।

### 11 जून राजेश पायलट का है जन्मदिन

सूत्रों की मानें तो पायलट ने 11 जून को इसलिए भी चुना है, क्योंकि इसी दिन सचिन के पिता राजेश पायलट की जयंती है। 11 जून 2000 को एक सड़क हादसे में राजेश पायलट का निधन हो गया था। सचिन पायलट उस समय मात्र 22 साल के थे। सचिन पायलट ने 11 जून का दिन चुना है। पायलट 11 को अपने राजनीतिक करियर में एक नई दिशा दे सकते हैं।

### कांग्रेस प्रभारी देंगे यात्रा पर रिपोर्ट

कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पायलट की यात्रा पर अपनी रिपोर्ट देंगे। रंधावा कह चुके हैं कि सचिन पायलट की यात्रा पार्टी की नहीं निजी यात्रा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष को कर्नाटक से आते ही रिपोर्ट दे दी जाएगी। इससे पहले रंधावा ने शुक्रवार को तीनों सहप्रभारियों और प्रदेशाध्यक्ष के साथ बैठक कर राजस्थान के मुद्दे पर चर्चा की थी। रंधावा पायलट मामले की रिपोर्ट तैयार कर चुके हैं। इस रिपोर्ट के आधार पर खरगे फैसला करेंगे।

### गुर्जरों का मिल सकता है साथ

सचिन पायलट अगर कांग्रेस को अलविदा कहते हैं तो उस सूरत में राजस्थान में पायलट अपना तीसरा विकल्प बना सकते है,जो आप और आरएलपी के साथ गठबंधन कर सकता है। सचिन पायलट को राजस्थान में गुर्जर समर्थन मिला तो पायलट 25 सीट पर हार और जीत का फर्क दिखा सकते है। क्योंकि गुर्जर वोटर 30 सीट पर जीत तो नहीं पर संगठित होकर किसी भी उम्मीदवार के लिए हार का रास्ता जरूर बना सकते हैं। पायलट के फैसले से कांग्रेस को 30 सीट का नुकसान होना तय है। जबकि, भाजपा को जाने वाले गुर्जर वोट अगर पायलट को जाते हैं तो भाजपा को भी कोई खास फायदा होता नजर नहीं आता है।

### अशोक ने साधा पायलट पर निशाना!

राजस्थान में होने वाले विधानसभा से पहले पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट से विवाद के बीच मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने एक बार फिर से इशारों-इशारों में पायलट पर निशाना साधा है। इसके साथ ही सीएम गहलोत ने साफ संदेश देते हुए पार्टी नेताओं से कहा कि, किसी से टिकट मांगों मत और अगर बड़े नेता टिकट देने की बात कहें तो विश्वास मत करना।

### यात्रा से कांग्रेस में खेमेबंदी और तेज

सचिन पायलट की यात्रा से कांग्रेस में खींचतान और तेज हो गई है। ष्टरूअशोक गहलोत खेमा यात्रा को अनुशासनहीनता बताकर गलत ठहरा चुके हैं। चुनावी साल में अपनी ही सरकार के खिलाफ यात्रा निकालने से हो रहे सियासी नुकसान के बारे में ष्टरूने प्रभारी को फीडबैक दिया है। उधर पायलट ने यात्रा को किसी के खिलाफ न होकर करप्शन के खिलाफ बताया है।

## सोमवार को जनसंघर्ष यात्रा का अंतिम दिन

करप्शन और पेपरलीक के मुद्दे पर सचिन पायलट की जनसंघर्ष यात्रा का आज तीसरा दिन है। सोमवार (आखिरी दिन) तक यात्रा जयपुर जिले में चलेगी। सुबह यात्रा का पहला फेज पूरा हुआ। दूदू के पास पालू में यात्रा विश्राम के लिए रुकी। शाम 4.30 बजे से यात्रा का दूसरा फेज शुरू हुआ और नासनोदा तक पहुंचेगी।इधर, पायलट की यात्रा राजधानी की तरफ बढ़ने के साथ ही उनके तेवरों में लगातार तल्खी बढ़ती जा रही है। वह लगातार पेपरलीक और करप्शन के मुद्दे पर अशोक गहलोत को घेर रहे हैं। पेपरलीक मामले में पकड़े गए आरपीएससी मेंबर बाबूलाल कटारा के घर पर बुलडोजर नहीं चलाने पर पायलट तंज कस रहे हैं। बीजेपी राज के करप्शन के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने को लेकर भी रोज सवाल उठा रहे हैं। उनके भाषणों में सरकार को लेकर तेवर लगातार तीखे हो रहे हैं। सचिन पायलट की यात्रा 15 मई को जयपुर पहुंचेगी, जयपुर के महापुरा के आसपास सभा रखी जाएगी। यात्रा के खत्म होने के बाद सचिन पायलट अगले सियासी कदम के बारे में कुछ संकेत दे सकते हैं। पायलट दूसरी यात्रा की घोषणा भी कर सकते हैं। फिलहाल कांग्रेस छोड़ने की चर्चाओं पर पायलट से पूछा गया तो उन्होंने कहा- अटकलें मत लगाइए, मैं सब कुछ कहकर करता हूं। इस बयान से भी नई चर्चाएं शुरू हो गई हैं।

## जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

# पाकिस्तान के हालात का असर

> पूर्व पीएम इमरान को अभी फिलहाल कोर्ट से राहत मिली है। पर उनके जेल में जाने के बाद देश में जैसा उत्पात मचा वह पाकिस्तान की छवि को खराब कर रहा है। वहां पर सरकार व जूडिशियरी में टकराव भी देखने को मिला। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इमरान को राहत देने पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ उस पर बरसते हुए यह कहते सुने गए पूर्व पीए के भ्रष्टाचार पर एक भी बात न करके कोर्ट ने अच्छा संदेश नही दिया है।

*भारत के सबसे करीब पड़ोसी पाकिस्तान में चल रहे राजनीतिक उथल पुथल ने पूरी दुनिया को अपनी ओर खींचा है। पूर्व पीएम इमरान को अभी फिलहाल कोर्ट से राहत मिली है। पर उनके जेल में जाने के बाद देश में जैसा उत्पात मचा वह पाकिस्तान की छवि को खराब कर रहा है। वहां पर सरकार व जूडिशियरी में टकराव भी देखने को मिला। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इमरान को राहत देने पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ उस पर बरसते हुए यह कहते सुने गए पूर्व पीए के भ्रष्टाचार पर एक भी बात न करके कोर्ट ने अच्छा संदेश नही दिया है। इस्लामाबाद हाई कोर्ट से दो हफ्ते की जमानत और 17 मई तक गिरफ्तारी से सुरक्षा पाकर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने भले ही थोड़े समय के लिए राहत की सांस ली हो, लेकिन इस पूरे प्रकरण ने पाकिस्तान में जिस तरह के हालात पैदा कर दिए हैं, उनसे उसका तुरंत निकलना मुश्किल दिख रहा है।*

*बेशक, पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने तत्काल दखल देकर हालात को संभालने की एक कोशिश की। गुरुवार को उसने हाईकोर्ट परिसर से हुई इमरान खान की गिरफ्तारी को अवैध घोषित कर दिया। अगले दिन उन्हें इस्लामाबाद हाई कोर्ट से बेल मिल गई। लेकिन इस दौरान आ रही खबरें बताती रहीं कि हालात किस कदर विस्फोटक बने हुए हैं। सरकार में शामिल पीएमएल (एन) की सीनियर वाइस प्रेजिडेंट और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी मरियम शरीफ ने न सिर्फ सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत और खतरनाक बताया बल्कि फैसला देने वाले चीफ जस्टिस पर सीधा कमेंट करते हुए कहा कि बेहतर होगा वह अपने पद से इस्तीफा देकर इमरान खान की पार्टी में शामिल हो जाएं। इससे स्पष्ट है कि पाकिस्तान की मौजूदा सरकार इमरान को किसी भी तरह की रियायत देने के मूड में नहीं है। वहां की सेना भी यही चाहती है। मगर देश के आम लोगों के बीच इमरान खान की लोकप्रियता बनी हुई है। इसी वजह से उनकी गिरफ्तारी के बाद देश के कई इलाकों में प्रदर्शन हुए, जो बेकाबू भी हो गए। ऐसे माहौल में जो संभावनाएं उभरती हैं, वे डराने वाली हैं। चूंकि तीनों में से कोई भी पक्ष झुकने के लिए तैयार नहीं है, इसलिए टकराव बढ़ने की आशंका है। न्यायपालिका के दोफाड़ होने की बात पहले से कही जा रही है। मौजूदा चीफ जस्टिस पर मरियम शरीफ की टिप्पणी ने एक तरह से उसकी पुष्टि कर दी। अगर सेना भी इमरान खान के पक्ष और विरोध वाले दो गुटों में बंट गई तो क्या होगा? यह कोई दूर की कौड़ी नहीं है।*

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# सियासत की धुरी बनने की कोशिश में सचिन

वेद विलास उनियाल

राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत ने एक बयान देकर राज्य की सियासत में तब हलचल मचाई जब कर्नाटक के चुनाव को लेकर खासा घमासान मचा था। राजनीति के मंजे खिलाड़ी और जादूगर कहे जाने वाले अशोक गहलोत ने अपने बयान का समय सोच-समझकर तय किया या फिर इसके भी कुछ निहितार्थ हैं इस पर खासी अटकलें हैं। लेकिन उनकी इस सलाह पर कई निशाने सधे हैं कि 2020 में पार्टी से बगावत करने वाले विधायकों को बीजेपी से लिया पैसा वापस कर देना चाहिए। एक पुराने घटनाक्रम को फिर चर्चा के केंद्र में लाकर उन्होंने कांग्रेस नेता सचिन पायलट के हमलों की धार कुंद करने की कोशिश की है। वह यहीं तक नहीं रुके उन्होंने साथ ही उस समय सरकार बचाने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा को संकटमोचक बताकर बीजेपी में भी आपसी द्वंद्व के लिए अखाड़ा तैयार कर दिया है।

राजस्थान का हाल का सियासी घटनाक्रम भी कई दिलचस्प मोड़ से होकर गुजरा है। नि:संदेह राज्य विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस को जीत हासिल दिलाने में सचिन पायलट की खासी भूमिका रही है। पायलट ने ही राजस्थान के ओर-छोर को मथ कर राज्य में कांग्रेस के लिए आधार खड़ा किया था। लेकिन कांग्रेस हाईकमान ने अशोक गहलोत को राज्य का नेतृत्व सौंपा था। सचिन पायलट राज्य के उपमुख्यमंत्री बने। बहुत जल्दी ही पायलट ने इस बात को भांप लिया था कि अशोक गहलोत सत्ता के प्रभाव और वर्चस्व में किसी तरह की हिस्सेदारी करने के लिए तैयार नहीं हैं। राजस्थान की सियासत में एक दौर यह भी आया कि जब लगने लगा कि पायलट कांग्रेस से अलग हो सकते हैं। राजस्थान की सियासत में तब किसी तरह बड़ा उलटफेर होता उससे पहले हाईकमान ने सचिन को पार्टी से बाहर जाने से रोका। हालांकि इससे पहले बगावती तेवर दिखाने वाले सचिन पायलट को राज्य पार्टी अध्यक्ष और डिप्टी सीएम के पद से हटाने पर पार्टी प्रवक्ता का कहना था कि कांग्रेस ने सचिन पायलट को सब कुछ दिया। वह पार्टी में रहते हुए 26 साल की उम्र में सांसद, 32 साल की उम्र में केंद्रीय मंत्री, 34 साल की उम्र में प्रदेश अध्यक्ष और 40 साल की उम्र में उपमुख्यमंत्री बने हैं।

लेकिन पार्टी में उनकी महत्वाकांक्षा ज्यादा बढ़ गई है। इसके जवाब में सचिन पायलट ने कहा था कि उन्होंने पार्टी को जीत हासिल दिलाने में पांच साल अथक मेहनत की। इसके बाद जब पार्टी को सत्ता हासिल हुई तो उन्होंने अपना हक जताकर कोई गलत नहीं किया। हालांकि उस समय कांग्रेस हाईकमान ने कई मुलाकात और बातचीत के दौर के बाद सचिन पायलट को आश्वस्त किया था कि देर-सवेर पार्टी आलाकमान उनके पक्ष में कोई फैसला लेगा। लेकिन कांग्रेस बदली परिस्थितियों में राजस्थान में बदलाव का कोई कदम उठाने से हिचकती रही। वहीं राजस्थान में अशोक गहलोत ने सत्ता ही नहीं संगठन पर भी अपनी पकड़ बनाकर रखी। बदले दौर में कांग्रेस हाईकमान भी बड़े क्षत्रपों को बहुत संकेत देने की स्थिति में नहीं है। खासकर कांग्रेस में जब अशोक गहलोत को पार्टी अध्यक्ष बनाए जाने के लिए कवायद हुई थी उस समय के घटनाक्रमों ने साबित करा दिया था कि अशोक गहलोत राजस्थान में किस तरह अपना वर्चस्व रखते हैं। कांग्रेस आलाकमान के लिए भी साफ संकेत था कि राजस्थान में अशोक गहलोत की सत्ता को आसानी से छेड़ा नहीं जा सकता। इसका असर यही हुआ कि गहलोत की सत्ता चलती रही और सचिन पायलट अवसर की प्रतीक्षा करते रहे। सचिन पायलट के लिए बगावती तेवर का नुकसान यह भी हुआ कि उनके हाथ से अध्यक्ष पद भी गया और डिप्टी सीएम का पद भी उन्हें खोना पड़ा। उनका बीस विधायकों को लेकर दिल्ली में डेरा डालना भी काम नहीं आया। पंजाब विधानसभा चुनाव के नतीजों ने भी कांग्रेस को इस बात के लिए सजग कर दिया कि वह राजस्थान में अकारण किसी तरह का जोखिम मोल न ले। खासकर यह देखते हुए कि अमरेंद्र सिंह के नेतृत्व में पंजाब में कांग्रेस किसी स्तर पर कमजोर हो रही थी। अमरेंद्र

जहां विधायकों पर अपनी पकड़ खो रहे थे वहीं राजस्थान में ठीक विपरीत अशोक गहलोत ने अपने किले को पूरी तरह मजबूत किया। कांग्रेस आलाकमान इस स्थिति को समझता था कि राजस्थान में सत्ता बदलाव का फैसला पार्टी को मुश्किल में ला सकता है। इसलिए अशोक गहलोत की सत्ता बरकरार रही।

अशोक गहलोत ने सत्ता और संगठन दोनों स्तर पर सचिन पायलट को उभरने के लिए कोई अवसर नहीं दिया। ऐसे में राजस्थान के चुनाव आने से पहले सचिन पायलट के लिए अपनी भूमिका को तलाशना जरूरी हो गया है। यह निश्चित है कि चुनाव के समय भी चुनाव का संचालन और टिकटों के वितरण में गहलोत की भूमिका ही प्रभावी रहेगी। ऐसे में सचिन पायलट के लिए अब वो समय आया है जब उन्हें कोई न कोई फैसला लेना ही होगा।

# मरीजों को राहत के लिए नीति बने

पंकज चतुर्वेदी

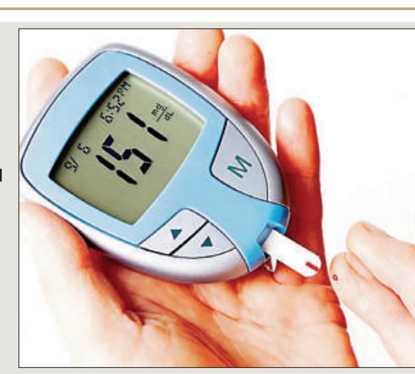

एक मधुमेह मरीज को औसतन 4200 रुपये दवा पर खर्च करने होते हैं। इस बीमारी के कारण उसका सालाना औसतन अतिरिक्त व्यय 34100 रुपये हो जाता है। यह रोग ग्रामीण, गरीब बस्तियों और तीस साल तक के युवाओं को भी शिकार बना रहा है। मधुमेह जीवनशैली के बिग?ने से उपजने वाला रोग है। भौतिक सुख जोड़ने की अंधी दौ? तो खून में शर्करा की मात्रा ब?ा ही रही है, कुपोषण, घटिया स?कछाप व पेक्ड भोजन भी इसके मरीजों की संख्या में इजाफा करने का बबदलती जीवनशैली कैसे मधुमेह को आमंत्रित करती है, इसका सबसे ब?ा उदाहरण लेह-लद्दाख है। भीषण पहा?ी इलाका, लोग खूब पैदल चलते थे, जीविकोपार्जन के लिए खूब मेहनत करनी प?ती थी सो लोग कभी बीमार नहीं होते थे।?ा कारक है।

भारत की करीब 82.9 करोड़ वयस्क आबादी का 8.8 प्रतिशत हिस्सा मधुमेह की चपेट में है। अनुमान है कि सन् 2045 तक यह संख्या 13 करोड़ को पार कर जाएगी। मधुमेह वैसे तो खुद में एक बीमारी है लेकिन इसके कारण शरीर के खोखला होने की जो प्रक्रिया शुरू होती है उससे मरीजों की जेब भी खोखली हो रही है। साथ ही देश की मानव संसाधन कार्यक्षमता पर विपरीत असर पड़ रहा है। बीते एक साल में भारत के लोगों ने डायबिटीज या उससे उपजी बीमारियों पर सवा दो लाख करोड़ रुपये खर्च किए जो कि हमारे कुल सालाना बजट का 10 फीसदी है। बीते दो दशक के दौरान इस बीमारी से ग्रस्त लोगों की संख्या में 65 प्रतिशत बढ़ोतरी होना भी कम चिंता की बात नहीं है।

एक अनुमान है कि एक मधुमेह मरीज को औसतन 4200 रुपये दवा पर खर्च करने होते हैं। इस बीमारी के कारण उसका सालाना औसतन अतिरिक्त व्यय 34100 रुपये हो जाता है। यह रोग ग्रामीण, गरीब बस्तियों और तीस साल तक के युवाओं को भी शिकार बना रहा है। मधुमेह जीवनशैली के बिगड़ने से उपजने वाला रोग है। भौतिक सुख जोड़ने की अंधी दौड़ तो खून में शर्करा की मात्रा बड़ा ही रही है, कुपोषण, घटिया सड़कछाप व पेक्ड भोजन भी इसके मरीजों की संख्या में इजाफा करने का बड़ा कारक है। बदलती जीवनशैली कैसे मधुमेह को आमंत्रित करती है, इसका सबसे बड़ा उदाहरण लेह-लद्दाख है। भीषण पहाड़ी इलाका, लोग खूब पैदल चलते थे, जीविकोपार्जन के लिए खूब मेहनत करनी पड़ती थी सो लोग कभी बीमार नहीं होते थे। पिछले कुछ दशकों में वहां बाहर का प्रभाव और पर्यटक बढ़े। उनके लिए घर में जल की व्यवस्था वाले पक्के मकान बने। बाहरी दखल के चलते यहां अब चीनी यानी शक्कर का इस्तेमाल होने लगा और इसी का कुप्रभाव है कि स्थानीय समाज में अब डायबिटीज जैसे रोग घर कर रहे हैं।

एक सर्वे में यह तथ्य सामने आए हैं कि मधुमेह की चपेट में आए लोगों में से 14.4 फीसदी को किडनी और 13.1 को आंखों की रोशनी जाने का रोग लग जाता है। इस बीमारी में 14.4 फीसदी मरीजों के पैरों की धमनियां जवाब दे जाती हैं जिससे उनके पैर खराब हो जाते हैं। वहीं लगभग 20 फीसदी लोग किसी न किसी तरह की दिल की बीमारी के चपेट में आ जाते हैं। 6.9 प्रतिशत डायबिटीज लोगों को न्यूरो अर्थात तंत्रिका से संबंधित दिक्कतें भी होती हैं। भारत को रक्त की मिठास बुरी तरह खोखला कर रही है। अमेरिकी मानक संस्थाओं ने भारत में रक्त में चीनी की मात्रा को कुछ अधिक दर्ज करवाया है जिससे प्री-डायबिटीज वाले भी इसकी दवाओं के फेर में आ जाते हैं। यह सभी जानते हैं कि एक बार डायबिटीज हो जाने पर मरीज को जिंदगी भर दवाएं खानी पड़ती हैं। मधुमेह नियंत्रण के साथ-साथ रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल की दवाओं को लेना आम बात है। जब इतनी दवाएं लेंगे तो पेट में बनने वाले अम्ल के नाश के लिए भी एक दवा जरूरी है। जब अम्ल नाश करना है तो उसे नियंत्रित करने के लिए कोई मल्टी विटामिन अनिवार्य है। एक साथ इतनी दवाओं के बाद लीवर पर तो असर पड़ेगा ही। मरीज हर महीने औसतन डेढ़ हजार की दवा या इंसुलिन तो लेता ही है, अर्थात सालाना अठारह हजार। देश के दूरस्थ अंचलों की बात तो जाने दें, राजधानी या महानगर में ही हजारों ऐसे लैब हैं जिनकी जांच की रिपोर्ट संदिग्ध रहती है। फिर गंभीर बीमारियों के लिए प्रधानमंत्री आरोग्य योजना के तहत पांच लाख तक के इलाज की नि:शुल्क व्यवस्था में मधुमेह जैसे रोगों के लिए कोई जगह नहीं है। स्वास्थ्य सेवाओं की जर्जरता की बानगी सरकार की सबसे प्रीमियम स्वास्थ्य योजना सीजीएचएस यानी केंद्रीय कर्मचारी स्वास्थ्य सेवा है जिसके तहत पत्रकार, पूर्व सांसद आदि भी आते हैं। इस योजना के तहत पंजीकृत लोगों में चालीस फीसदी डायबिटीज के मरीज हैं और वे हर महीने केवल नियमित दवा लेने जाते हैं।

एक मरीज की औसतन हर दिन की पचास रुपये की दवा। एक मरीज डाक्टर के पास जाता है और उसे किसी विशेषज्ञ के पास भेजा जाता है। विशेषज्ञ कई जांच लिखता है और मरीज को फिर से अपनी डिस्पेंसरी में आकर जांच को इंडोर्स करवाना होता है। उसके बाद उसके अगले दिन खाली पेट जांच करवानी होती है। इस प्रकार मरीज को कई प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है। ईमानदारी से तो डायबिटीज के मरीज को हर महीने विशेषज्ञ डाक्टर को पास जाना चाहिए। बहुत से मरीज इससे घबरा कर नियमित जांच भी नहीं करवाते। आज भारत मधुमेह को लेकर बेहद खतरनाक मोड़ पर खड़ा है। जरूरत है कि इस पर सरकार अलग से कोई नीति बनाए, जिसमें जांच, दवाओं के लिए कुछ कम तनाव वाली व्यवस्था हो। बाजार में मिलने वाले पेक्ड व हलवाई दुकानों की सामग्री की कड़ी पड़ताल, देश में योग को बढ़ावा देने के और अधिक प्रयास युवा आबादी की कार्यक्षमता और इस बीमारी से बढ़ती गरीबी के निदान में सकारात्मक कदम हो सकते हैं।

# सेहत के लिए फायदेमंद है गर्म पानी

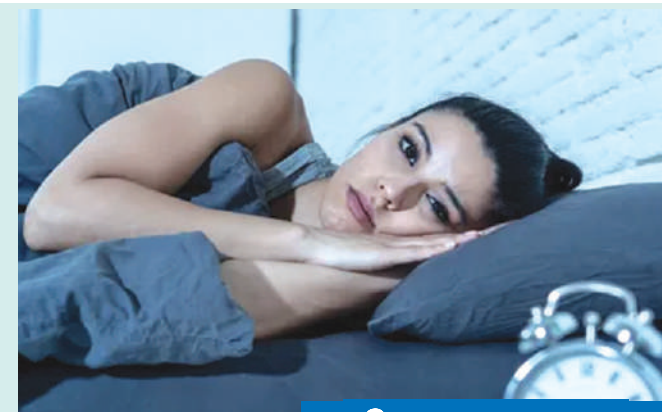

## पाचन तंत्र में सुधार

पाचन शक्ति को बढ़ाने के लिए गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं। हल्का गर्म पानी पेट और आंतों को हाइड्रेट करने में मदद करता है। ऐसे में सही मात्रा में गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं।

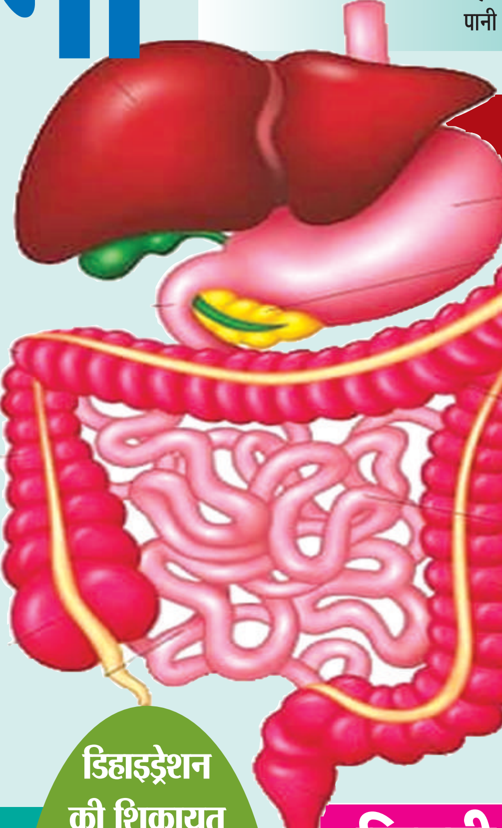

पानी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से कई सारी बीमारियों से बचाव होता है और शरीर स्वस्थ रहता है। हालांकि कहा जाता है कि ठंडा पानी पीने के बजाए गर्म पानी ज्यादा सेहतमंद होता है। इस कारण लोग अक्सर गर्म पानी पीते हैं। जिन लोगों का वजन अधिक होता है, वह भी गर्म पानी का सेवन करते हैं। उन्हें लगता है कि गर्म पानी ज्यादा पीने से वजन कम होता है। गले में खराश, सर्दी -खांसी और जुकाम में भी लोग गर्म पानी पीते हैं। लेकिन एक्सपर्ट के मुताबिक ठंडा और गर्म पानी पीने के मुकाबले में नॉर्मल पानी पीना ज्यादा असरदार है। कब्ज की शिकायत होने पर भी लोग सुबह गर्म पानी पी लेते हैं। लेकिन अधिक गर्म पानी का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए आपको पता होना चाहिए कि गर्म पानी सेहत के लिए कितना फायदेमंद और कितना नुकसानदायक हो सकता है?

## कब्ज से राहत

हल्के गर्म पानी का सेवन पेट साफ करता है और मल त्याग में समस्या नहीं होती। अपच और एसिडिटी की शिकायत होने पर हल्के गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं। इससे खाना खाने के बाद कब्ज की शिकायत नहीं होती और पेट में ऐंठन व दर्द कम हो सकता है।

## नींद पर असर

रात में सोने से पहले गर्म पानी पीते हैं तो नींद पर असर पड़ सकता है। रात में गर्म पानी पीकर सोने से अधिक पेशाब महसूस होती है, साथ ही रक्त वाहिनी कोशिकाओं पर दबाव बढ़ सकता है। नींद प्रभावित होने से थकान महसूस करते हैं और अन्य शारीरिक व मानसिक समस्या हो सकती है।

## वजन घटाने में मदद

भोजन पचाने के लिए गर्म पानी असरदार है। हल्का गुनगुना पानी सुबह शाम खाने के बाद पीना चाहिए, इससे वजन कम कर सकते हैं। स्वास्थ्य लाभ होने के साथ ही मन शांत रहता है और अधिक भूख भी नहीं लगती।

## इलेक्ट्रोलाइट्स पर असर

हद से ज्यादा पानी रक्त में इलेक्ट्रोलाइट्स कोशिकाओं की तुलना में अधिक पतला कर सकता है। रक्त और कोशिकाओं के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए रक्त पानी कोशिकाओं में खींचा जाएगा। इससे कोशिकाओं में सूजन आती है और मस्तिष्क पर दबाव बढ़ता है। सिरदर्द और अन्य समस्याएं हो सकती हैं।

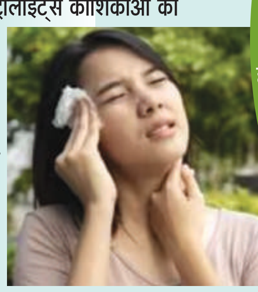

## डिहाइड्रेशन की शिकायत

एक अध्ययन के मुताबिक, शरीर में 55-56 प्रतिशत मात्रा पानी की होती है। पानी सेहत के लिए असरदार है। यह शरीर को हाइड्रेट करता है और टॉक्सिन को बाहर निकालने का काम करता है। लेकिन गर्म पानी का सेवन शरीर हाइड्रेट नहीं करता, बल्कि डिहाइड्रेशन की शिकायत को बढ़ा सकता है।

## किडनी पर प्रभाव

शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने का काम किडनी करती है। लेकिन अधिक गर्म पानी के सेवन से डिहाइड्रेशन हो सकता है और किडनी पर असर पड़ता है। गर्म पानी शरीर के विषाक्त पदार्थ को बाहर नहीं निकालता और किडनी खराब होने लगती है।

## हंसना मना है

संता- तुम्हे कैसी बीबी चाहिये? बंता- चांद जैसी। संता- चांद जैसी, मतलब? बंता- जो रात को आये और सुबह होते ही चली जाये।

शादी के बाद पत्नी से बोला पति- तुमसे शादी करके मुझे एक फायदा हुआ, पत्नी- कौन सा फायदा? पति- रुको बताता हूं। पति- मुझे मेरे गुनाहों की सजा इसी जन्म में मिल गई। पति की बात सुनकर पत्नी गुस्से से लाल पीली हो गई।

पिता- बेटा आज तक तूने कोई ऐसा काम किया है, जिससे मेरा सर ऊंचा हो? चिंटू- जी हां पापा एक बार आपके सर के नीचे तकिया रखा था। पिता जवाब सुन अभी तक हैरान-परेशान हैं!

टीचर- (खाली जगह भरो) नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली....चली, पप्पू- नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली धीरे-धीरे चली, टीचर- मुझसे मजाक कर रहे हो...अभी बताती हूं, पप्पू- मैडम वो तो मैंने आपका दिल रखने के लिए कह दिया...वरना नौ सौ चूहे खाकर बिल्ली तो क्या उसका बाप भी एक इंच नहीं चल सकता।

पत्नी धूप में बैठकर मूंगफली खा रही थी पति- मुझे भी दो ना मूंगफली, पत्नी ने एक मूंगफली दे दी, पति- बस एक, पत्नी- और खा के क्या करोगे बाकी सबका स्वाद भी ऐसा ही है।

## कहानी | कौवा और दुष्ट सांप

एक बार की बात है। एक जंगल में किसी पेड़ पर कौवे का एक जोड़ा रहा करता था। वो दोनों खुशी-खुशी उस पेड़ पर जीवन बसर कर रहे थे। एक दिन उनकी इस खुशी को एक सांप की नजर लग गई। जिस पेड़ पर कौवों का घोंसला था, उसी पेड़ के नीचे बने बिल में सांप रहने लगा था। जब भी कौवों का जोड़ा दाना चुगने के लिए जाता, सांप उनके अंडों को खा जाता था और जब वो वापस आते, तो उन्हें घोंसला खाली मिलता था, लेकिन उन्हें पता नहीं चल पा रहा था कि अंडे कौन ले जाता है। इस प्रकार से कई दिन निकल गए। एक दिन कौवे का जोड़ा दाना चुग कर जल्दी आ गया, तो उन्होंने देखा की उनके अंडों को बिल में रहले वाला एक सांप खा रहा है। इसके बाद उन्होंने पेड़ पर किसी ऊंचे स्थान पर छुपकर अपना घोंसला बना लिया। सांप ने देखा कि कौवों का जोड़ा पहले वाले स्थान को छोड़कर चला गया है, लेकिन शाम होते ही दोनों वापस पेड़ पर आ जाते हैं। इस प्रकार कई दिन निकल गए। कौवा के अंडों में से बच्चे निकल आए और वो बड़े होने लगे। एक दिन सांप को उनके नए घोंसले का पता चल गया और वह कौवों के जाने का इंतजार करने लगा। जैसे कौवे घोंसला छोड़ कर गए, सांप उनके घोंसले की ओर बड़ने लगा, लेकिन किसी कारण से कौवों का जोड़ा वापस पेड़ की ओर लौटने लगा। उन्होंने दूर से ही सांप को उनके घोंसले की ओर जाता देख लिया और जल्दी से वहां पहुंच कर अपने बच्चों को पेड़ की ओट में छुपा दिया। सांप ने देखा की घोंसला खाली है, तो वह कौवों की चाल समझ गया और वापस बिल में जाकर सही मौके का इंतजार करने लगा। इसी बीच कौवे ने सांप से पीछा छुड़ाने के लिए एक योजना बनाई। कौवा उड़कर जंगल के बाहर बने एक राज्य में चला गया। वहां एक सुंदर महल था। महल में राजकुमारी अपनी सहेलियों के साथ खेल रही थी। कौवा उसके गले में से मोतियों का हार लेकर उड़ गया। सभी ने शोर मचाया, तो पहरेदार हार लेने के लिए कौवे का पीछा करने लगे। कौवे ने जंगल में पहुंचकर हारा को सांप के बिल में डाल दिया, जिसे पीछे कर रहे सैनिकों ने देख लिया। जैसे ही सैनिकों ने हार निकालने के लिए बिल में हाथ डाला, तो सांप फुंकारता हुआ बाहर निकल आया। सांप को देखकर सैनिकों ने तलवार से उस पर हमला कर दिया, जिससे सांप घायल हो गया और अपनी जान बचाकर वहां से भाग गया। सांप के जाने के बाद कौवा अपने परिवार के साथ खुशी-खुशी रहने लगा।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

### मेष

आपके धन की वृद्धि और व्यावसायिक स्थिति में उत्थान संभव है। आप सभी प्रकार के भौतिक सुखों का आनंद लेंगे और नए अधिग्रहण हो सकते हैं।

### वृषभ

आज आपको अचानक धन लाभ होगा। आज आप किसी नए काम की शुरूआत करने के बारे में विचार करेंगे। जीवनसाथी आपके विचारों से सहमत होगा।

### मिथुन

आज आप में से कुछ के लिए इधर-उधर की भागदौड़ रहेगी। देरी और बाधाएं भी कई बार चिंता का कारण बनेंगी। आप नए संपर्क स्थापित कर पाएंगे।

### कर्क

आज शाम को आप घर पर पार्टी का प्लान बनायेंगे। आज किसी बात को लेकर आप गलतफहमी में पड़ सकते हैं। आपको आराम करने की जरूरत है।

### सिंह

आज आप कुछ चुनौतियों का सामना कर सकते हैं, लेकिन अंतत: चीजें आपके पक्ष में होंगी। निवेश करने के लिए आवेगी निर्णय न लें।

### कन्या

आज किसी मित्र की मदद से आपके काम बनेंगे। अपने कॉन्फिडेंस के दम पर आप हर काम में सफल होंगे। कला या किसी रचनात्मक काम में आपका रूझान बढ़ेगा।

### तुला

परिवार और संतान से खुशियां प्राप्त होंगी। आप उनके साथ किसी मनोरंजक स्थल पर घूमने जाएंगे। आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी।

### वृश्चिक

आज आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। भाई-बहन आपके काम में सपोर्ट करेंगे, जिससे आपका काम समय रहते पूरा होगा। आपको किस्मत का साथ मिलेगा।

### धनु

अपने स्वास्थ्य के प्रति बेहद सतर्क रहें, विशेष कर कमर के निचले हिस्से के प्रति रक्त संबंधी समस्याएं अत्यधिक परेशान कर सकती हैं।

### मकर

आज आर्थिक उतार-चढ़ाव की स्थितियां देखने को मिल सकती है। काम ज्यादा और लाभ कम, इस तरह की समस्या भी उत्पन्न होने की संभावना है।

### कुम्भ

आप गतिशील ऊर्जा और सकारात्मक विचारों से भरे रहेंगे। आप जो भी करेंगे उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देंगे और दिन भर व्यस्त रहेंगे।

### मीन

आज का दिन किसी महत्वपूर्ण काम के लिए शुभ है। आप अपने आसपास के लोगों के साथ उदार रहेंगे। आपके साथ अच्छे अनुभव के कारण आपके साथी आपसे कुछ सलाह लेंगे।

बॉलीवुड | मन की बात

# हिंदी सिनेमा के हीरो पर हेमा मालिनी ने मारा ताना

साउथ की सुपरहिट फिल्म पुष्पाः द राइज को दर्शकों ने खूब पसंद किया। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी छप्पर फाड़ कमाई की है। फिल्म में अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की एक्टिंग और जोड़ी को काफी पसंद किया गया। फिल्म की सफलता के देखते हुए मेकर्स जल्द ही पुष्पा का दूसरा पार्ट भी लेकर आ रहे हैं। पुष्पा रिलीज के बाद अल्लू अर्जुन की दीवानगी साउथ ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड में खूब देखने को मिल रही है। ऐसे में बॉलीवुड की ड्रीम गर्ल भी अल्लू अर्जुन की दीवानी बन बैठी हैं। आप समझ ही गए होंगे कि हम किसकी बात कर रहे हैं। बता दें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस हेमा मालिनी अल्लू अर्जुन की तारीफ करते नहीं थक रही हैं। यही नहीं हेमा ने बॉलीवुड के स्टार्स पर ताना भी मार दिया है। हेमा मालिनी ने हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में पुष्पा स्टार अल्लू अर्जुन की जमकर तारीफ की है। हेमा ने कहा कि उन्होंने पुष्पा फिल्म देखी है और उन्हें काफी पसंद आई है। खासतौर से अल्लू की एक्टिंग और उनका गेटअप। हेमा ने आगे कहा कि पुष्पा देखने के बाद मैंने अल्लू की कई और फिल्में भी देखीं। इसके बाद मुझे पला चला कि वह काफी हैंडसम और गुड लुकिंग हीरो है। वहीं, अगर पुष्पा में उन्हें देखा जाए तो वह बिल्कुल अलग लुक में दिखे हैं। इतने हैंडसम होने के बाद भी अगर अल्लू ने पुष्पा के लिए ऐसे लुक के लिए हामी भरी तो ये काफी बड़ी बात है। हेमा मालिनी ने इसी इंटरव्यू में बॉलीवुड स्टार्स को ताना मारा। उन्होंने कहा कि अल्लू अर्जुन ने पुष्पा जैसी फिल्म के लिए हां किया, लेकिन हमारे हिंदी फिल्मों के एक्टर थोड़े ही ऐसा करेंगे। मुझे आज भी याद है एक फिल्म में धर्मेंद्र जी को डार्क लुक में दिखना था तब इसके लिए वह काफी झिझक रहे थे। ऐसे में अल्लू ने जो किया वो बड़ी बात है।

# एक बार फिर रोहित-अजय की जोड़ी धमाल मचाने को तैयार!

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन की फिल्म सिंघम की बड़ी और लोकप्रिय फिल्मों में से एक है, जिसके दोनों पार्ट्स को फैंस का खूब प्यार मिला था। वहीं अब इसके तीसरे भाग के लिए अजय और निर्देशक रोहित शेट्टी एक बार फिर साथ आएंगे। फिल्म की तीसरी सीरीज सिंघम अगेन की रिलीज डेट की घोषणा कर दी गई है। इस खबर के बाद से फैंस अब सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर कर रहे हैं। सिंघम सीक्वल हमेशा से ही फैंस के बीच काफी लोकप्रिय रही है। रोहित शेट्टी की इस फिल्म की तीसरी फ्रेंचाइजी का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। गौरतलब है कि अभिनेता अजय देवगन सिंघम अगेन में नजर आएंगे। सिंघम रिटर्न्स 15 अगस्त साल 2014 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी, जिसे फैंस ने खूब पसंद किया था। 70 करोड़ के बजट में बनी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 240 करोड़ का शानदार बिजनेस किया था। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित सिंघम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म है, जो 2024 में स्वतंत्रता दिवस पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस खबर के आने के बाद फैंस में उत्साह की लहर दौड़ पड़ी है। सोशल मीडिया पर अजय के फैंस उन्हें खूब शुभकामनाएं दे रहे हैं। एक यूजर ने कहा, बेसब्री से आपको स्क्रीन पर देखने का इंतजार कर रहे हैं। दूसरे यूजर ने लिखा, अजय को एक बार फिर कॉप के रूप में देखने का इंतजार नहीं कर सकते हैं। एक और यूजर ने लिखा, रोहित और अजय की जोड़ी फिर से धमाल मचाने को तैयार हैं। आपको बता दें कि सिंघम अगेन, सिंघम सीरीज की तीसरी और रोहित शेट्टी कॉप यूनिवर्स की पांचवीं फिल्म होगी। रोहित की कॉप की आखिरी रिलीज सूर्यवंशी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी, जो 2021 में आई थी। सिंघम सीरीज की शुरुआत साल 2011 में हुई थी।

# द केरला स्टोरी विवाद पर डरे हुए हैं मेरे पिताजी : योगिता

योगिता बिहानी अपनी नई फिल्म द केरला स्टोरी की सक्सेस को एंजॉय कर रही हैं। हालांकि, इससे पहले योगिता कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं, लेकिन द केरला स्टोरी उनके करियर की सबसे बड़ी फिल्म साबित हुई है। इस बीच योगिता ने खुलासा किया कि द केरला स्टोरी को लेकर हो रहे विवाद को लेकर उनके पिता डरे हुए हैं।

योगिता बिहानी ने कहा, हमने बड़ी ईमानदारी से इस फिल्म को बनाया है। हमारे लिए ये फिल्म एक कॉलेज प्रोजेक्ट की तरह था, जिस पर हमने पूरे डेडिकेशन के साथ काम किया और फिर सबमिट कर दिया। हमें पता नहीं था कि ये होगा। हम सब हैरान थे कि ये फिल्म लोगों को इतना पसंद आ रही है और हम हर दिन हैरान हो रहे हैं। हम सोच रहे है कि अच्छा ये भी हो सकता है।

द केरला स्टोरी को लोगों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। वहीं, कुछ लोग इस फिल्म का विरोध भी कर रहे हैं। इस मामले पर बात करते हुए योगिता बिहानी ने बताया कि उनके पिता थोड़े डरे हुए हैं। उन्होंने कहा, इस विवाद के चलते मेरे पिता डरे हुए हैं। वह मुझसे पूछते हैं कि तुम आराम से घर जा रही हो ना? वह थोड़े डरे हुए हैं और मैं उन्हें अच्छी चीजें बताती हूं। मैं उन्हें विश्वास दिलाती हूं कि सब कुछ ठीक चल रहा है। यहां पर सब कुछ बढ़िया है। मैं उन्हें और नहीं डरा सकती। उन्हें मैं उतना ही बताती हूं और वह मुझ पर भरोसा करते हैं।

## 100 करोड़ क्लब की तरफ बढ़ रही फिल्म

बताते चलें कि द केरला स्टोरी बॉक्स ऑफिस पर छाई हुई है। कमाई के मामले में इस फिल्म की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही। इस फिल्म ने गुरुवार को 12.50 करोड़ रुपये कलेक्शन किया है। पिछले सात दिनों में द केरला स्टोरी ने बॉक्स ऑफिस पर 81.36 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है। अब ये फिल्म तेजी से 100 करोड़ के क्लब में शामिल होने के लिए आगे बढ़ रही है।

अजब-गजब | एक टिकट के लिए खर्च करने होंगे 50 हजार रुपये

# इस रेस्टोरेंट में जाने के लिए उतारने पड़ते हैं सारे कपड़े

दुनिया में विचित्र जगहों की कोई कमी नहीं। जब इनके बारे में लोगों को पता चलता है तो हैरान रह जाते हैं। सोचने पर मजबूर हो जाते हैं कि आखिर ऐसा भी हो सकता है? आज हम एक ऐसे ही जगह के बारे में आपको बताने जा रहे हैं। क्या आप एक ऐसे रेस्टोरेंट की कल्पना कर सकते है जहां जाने के लिए लोगों को सारे कपड़े उतारने पड़ें? शायद नहीं। मगर दुनिया में एक ऐसा रेस्टोरेंट है, जिसके नियम बेहद अजीबोगरीब हैं। यहां मोटे लोगों की एंट्री पर भी पाबंदी है।

बेहद क्रूर नियमों वाला यह रेस्टोरेंट जापान की राजधानी टोक्यो में खुला है। इस रेस्टोरेंट की न्यूड थीम नहीं बल्कि यहां एंट्री करने के नियम काफी चौंकाने वाले हैं। दरअसल, यहां आने वाले मेहमानों को पहले अपना वजन करना होता है। अगर वे ज्यादा मोटे पाए गए, तो उन्हें प्रवेश नहीं मिलता। इतना ही नहीं, अगर आपके शरीर पर टैटू या गोदना होगा तो आप प्रवेश नहीं कर पाएंगे। दिलचस्प बात इसका नाम 'द अमृत' रखा गया है जो भारतीय नाम की तरह लगता है।

रेस्टोरेंट की वेबसाइट पर आपको नियमों की लिस्ट मिल जाएगी। इसके मुताबिक, सिर्फ 18 से 60 साल की उम्र के बीच के लोग ही प्रवेश कर सकेंगे और उससे पहले उन्हें अपने कपड़े जमा कराकर रेस्टोरेंट द्वारा उपलब्ध कराए जाने वाले कागज के बने अंडर गारमेंट पहनने होंगे। यहां का वेटर और स्टाफ भी आपको इन्हीं ड्रेस में नजर आएगा। इसमें यह भी लिखा है कि अगर आपका वजन आपके कद के औसत वजन की तुलना में 15 किलो या उससे ज्यादा पाया गया तो आपको इजाजत नहीं दी जाएगी। अगर आप दिखने में ज्यादा वजनी लगे, तो आपका वजन तौला भी जा सकता है।

### किराया जानकर चौंक जाएंगे आप

कुछ और नियम बेहद सख्त हैं। जैसे नियमों पर खरा न उतरने वाले लोगों को रिजर्वेशन की राशि वापस नहीं की जाएगी। सभी प्रकार का भुगतान पहले ही वेबसाइट के माध्यम से करना होगा। यहां आने वाले ग्राहक किसी को छू कर बात नहीं कर पाएंगे। जिन मेहमानों को प्रवेश दिया जाएगा, उन्हें अपने मोबाइल फोन और कैमरे मेज पर बने बॉक्स में रखने होंगे। इसके बावजूद यहां का किराया सुनकर आप दंग रह जाएंगे। एक टिकट के लिए 80 हजार येन यानी लगभग 50 हजार रुपये खर्च करने होंगे। यहां पुरुषों का डांस शो भी होगा, जो अनोखा होगा। अगर आप बिना डांस शो के भोजन करना चाहते हैं तो 18 हजार रुपये तक देना होगा। बता दें कि लंदन और मेलबर्न में पहले ही इस तरह का रेस्टोरेंट मौजूद है।

# 72 साल की उम्र में पूरा किया ग्रेजुएशन 98 वर्ष की मां के सामने मिली डिग्री

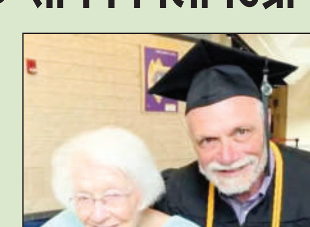

उम्र महज एक नंबर है, यह बात एक बार फिर उस वक्त सही साबित हुई जब एक शख्स ने 72 साल की उम्र में ग्रेजुएशन की डिग्री अपने हाथों में ली। उस समय 98 साल की मां भी मौजूद थीं। डिग्री हाथों में लेते ही शख्स भावुक हो गया। उसने अपना अनुभव शेयर किया, जिसे सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, जॉर्जिया के रहने वाले सैम कपलान ने बताया, मैं एक दिन हाईवे पर कार चला रहा था, तभी रेडियो पर सुना कि एक यूनिवर्सिटी ऐसी डिग्री दे रही है। इसमें उम्र की कोई बाध्यता नहीं है। मैंने सोचा क्यों न उच्च शिक्षा हासिल कर ली जाए। मेरे घर में कोई भी हायर स्टडीज अच्छे से कंपलीट नहीं कर पाया था। यही सोचकर मैंने 2019 में Gwinnett College में दाखिला लिया। आप जानकर हैरान होंगे कि मैंने सिर्फ 5 मिनट में यह फैसला लिया और अपनी कार को मोड़कर कॉलेज की तरफ ले गया। चंद मिनटों में ही मैं रजिस्ट्रेशन करवा रहा था। कपलान ने बताया कि गुरुवार को जब मुझे डिग्री मिली तो मैं भावुक हो गया। क्योंकि उस वक्त मेरी 98 साल की मां मेरे सामने मौजूद थीं। उनका हमेशा से सपना था कि मैं ज्यादा से ज्यादा स्टडीज करूं लेकिन मैं नहीं कर पाया था। मैंने देखा कि वह भी रो रही थीं। यह मेरे लिए गर्व का पल था। मुझे लिखना हमेशा से पसंद रहा है। कहानियां सुनने में बहुत मजा आता है। लेकिन मुझे क्या करना है, इसके लिए मुझे शुरुआत तो कहीं से करनी थी। अभी मैंने सिनेमा और मीडिया आर्ट में डिग्री हासिल की है और स्टोरी राइटर बनने की तमन्ना है। अनुभव शेयर करते हुए कपलान ने कहा, शुरुआती दिन तो नर्वस करने वाले थे। यह बहुत रोमांचक और चुनौतीभरा टास्क था। कैसे फिर से स्कूलिंग की जाए। अपने से काफी छोटे स्टूडेंट्स के साथ कैसे बातचीत की जाए। कई बार लगा कि गलत कदम तो नहीं उठा लिया लेकिन आखिरकार इस चुनौती को भी मैंने हरा दिया। मैं बहुत उत्साहित हूं, और ऐसा करने के लिए मुझे खुद पर गर्व महसूस हो रहा है।

# कांग्रेस की जीत 2024 के लिए शुभ संकेत: उद्धव

## सामना में मोदी-शाह पर शिवसेना ने बोला तीखा हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कर्नाटक के नतीजों में बीजेपी की करारी हार पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने अपने मुखपत्र सामना में पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर निशाना साधा है। कांग्रेस की जीत को शुभ संकेत बताते हुए सामना में लिखा है कि साल 2024 में क्या होगा, इसकी दिशा कर्नाटक की जनता ने दिखा दी है। बीजेपी का नकली हिंदुत्व कर्नाटक में नहीं चला।

सामना में लिखा गया है कि कर्नाटक का नतीजा मोदी-शाह के खिलाफ गया। कर्नाटक की जनता ने मोदी-शाह की बीजेपी को करारी शिकस्त दी। यह देश के लिए शुभ संकेत है। इसमें आगे कहा गया कि कर्नाटक में कांग्रेस ने बीजेपी से दक्षिण का एकमात्र राज्य छीन लिया। 2024 की दिशा कर्नाटक की जनता ने दिखा दी है।

### कुचला गया ऑपरेशन लोटस

सामना में आगे कहा गया कि बीजेपी के ऑपरेशन लोटस को कर्नाटक की जनता ने कुचल दिया। सत्ता के लिए बीजेपी द्वारा तोड़े गए 18 विधायकों में से ज्यादातर को जनता ने घर बिठा दिया है। ऑपरेशन लोटस चलाकर, धमकियां देकर, कट्टरता का प्रचार करके, ईडी, सीबीआई का सिलसिला विपक्षियों के पीछे लगाकर चुनाव जीतने के दिन अब चले गए हैं। कर्नाटक के फैसले ने साफ कर दिया है कि आम आदमी तानाशाही को परास्त कर सकता है। सामना ने लिखा, कर्नाटक की तस्वीर इतनी साफ कभी नहीं रही। कांग्रेस का बहुमत इतना मजबूत है कि भारतीय जनता पार्टी वहां तोड़फोड़ करके सत्ता में आने का सपना भी नहीं देख सकती।

### नकली हिंदुत्व नहीं चला: सामना

मोदी और शाह के भाषणों को राजनीति स्टंट बताते हुए लिखा गया है कि पहले उन्होंने हिजाब का मुद्दा उठाया। ये फेल हो गया। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में बजरंग दल पर प्रतिबंध की बात कही तो पीएम मोदी ने इसे बजरंग बली का अपमान बताते हुए बजरंग बली को उतार दिया। बजरंग बली के नाम पर वोट मांगने को शिवसेना (यूबीटी) ने मोदी के विकास पुरुष वाली छवि की हार बताया है। सामना में कहा गया कि मोदी ने प्रचार में बजरंग बली को उतारा, लेकिन इसका कर्नाटक में कोई असर नहीं हुआ। इसके विपरीत बजरंग बली ने गदा घुमाई और मोदी-शाह के सिर पर मारी। विजयी गदा राहुल गांधी के कंधे पर रख दी। बीजेपी का नकली हिंदुत्व कर्नाटक में बिल्कुल नहीं चला।

## बजरंग बली भी भाजपा को बचा नहीं पाए: तोगड़िया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कर्नाटक चुनावों के नतीजों में भाजपा को मिली हार को लेकर विश्व हिंदू परिषद के पूर्व नेता प्रवीण तोगड़िया ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि भाजपा को कर्नाटक में बजरंग बली भी नहीं बचा पाए। उन्होंने कहा कि कर्नाटक चुनाव के परिणाम आ रहे हैं। राम मंदिर बन रहा है। बजरंग बली का नाद गूंज रहा है। भाजपा जीत नहीं रही है। यह भाजपा के लिए वेकअप कॉल है। कर्नाटक में बजरंग बली भी भाजपा को नहीं बचा पाए। मंदिर भी नहीं बचा पाया। यह भाजपा के लिए खतरे की घंटी है।

तोगड़िया ने कहा कि लोगों को महंगाई से निजात चाहिए। रोजगार चाहिए। सरकार को एक करोड़ बेरोजगार युवाओं को रोजगार देना चाहिए। पेट्रोल-डीजल के दाम कम करने चाहिए। मेरे यह सुझाव लोकसभा चुनावों में भाजपा को जीत दिला सकते हैं। सरकार को किसानों को फसल के उचित दाम देने पर विचार करना चाहिए। बजरंग बली का नाम लिए बिना भी वोट मिल जाएंगे। 2024 में क्या होगा यह देश की जनता तय करेगी। उसके मुद्दे अपने होंगे।

### द केरल स्टोरी जैसी फिल्म बनाना शर्मनाक

तोगड़िया ने द केरल स्टोरी को लेकर भी अपनी बात रखी। तोगड़िया ने कहा कि द केरल स्टोरी जैसी फिल्म बनाना शर्मनाक है। देश में एंटी लव जिहाद कानून बने ताकि ऐसी फिल्म बनाकर वाहवाही न लूटी जाए। यह हमारे लिए शर्म की बात है कि हिंदू बहन-बेटियों के लिए ऐसी फिल्म बनाई जा रही है।

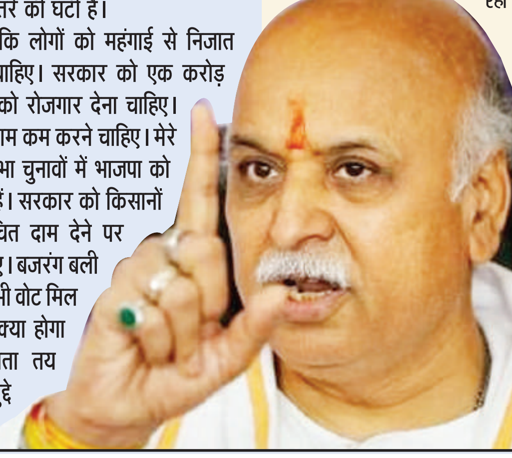

## उम्मीद करता हूं अपने वादों को पूरा करेगी कांग्रेस : ओवैसी

» एआईएमआईएम को मजबूत करने का काम जारी रहेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। कर्नाटक विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बीच ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी चुनाव से पहले जनता से किए गए अपने वादों को पूरा करेगी।

ओवैसी ने कहा, 'कर्नाटक की जनता ने फैसला किया...(उन्होंने) कांग्रेस को सत्ता दी। हम उनसे (कांग्रेस) लोगों से किए गए वादों को पूरा करने की उम्मीद करते हैं। हालांकि, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में एआईएमआईएम को मजबूत करने का काम जारी रहेगा। कर्नाटक चुनाव के नतीजों पर उन्होंने कहा, 'हम वहां सफल नहीं हुए. हम कड़ी मेहनत करेंगे। हम (चुनाव परिणाम से) निराश नहीं होंगे।

## धीरे-धीरे चढ़ रहा पारा, झुलसाएगी गर्मी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**42**
**डिग्री तक आज पहुंच सकता है अधिकतम तापमान**

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में झुलसाने वाली गर्मी पड़ रही है। घर व दफ्तर से बाहर निकलते ही चुभन भरी गर्मी लोगों को परेशान करने लगी है। रविवार को अधिकतम तापमान 40.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और न्यूनतम तापमान 25.9 डिग्री सेल्सियस रहा।

प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, रविवार को अधिकतम तापमान सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा, वहीं न्यूनतम तापमान भी एक डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। ऐसे में इस सप्ताह में लोगों को गर्मी से जूझना पड़ेगा। रविवार को लोगों को बीते दो दिनों के मुकाबले गर्मी से थोड़ी राहत मिली। सुबह हल्के बादल छाए थे, लेकिन दोपहर में तेज धूप ने लोगों को परेशान किया। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस पहुंचने का अनुमान है। हालांकि, सोमवार को दिन में हल्के बादल छाए रहेंने की संभावना है। जिसमें हवा 30 से 40 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चल सकती है। दिल्ली एनसीआर की बात करें तो फरीदाबाद सबसे अधिक गर्म दर्ज किया गया। यहां अधिकतम तापमान 43.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस रहा।

## 112 रनों से आरसीबी ने राजस्थान को रौंदा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में महज 59 रन पर ऑल आउट होने के बाद राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन काफी हताश नजर आए। मैच के बाद संजू ने कहा कि इस लचर प्रदर्शन का उनके पास अभी कोई जवाब नहीं है। जीत के लिए 172 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान की टीम आईपीएल इतिहास के तीसरे सबसे कम स्कोर पर सिमट गई। टीम महज 10.3 ओवर बल्लेबाजी कर पाई और उसे 112 रन की बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

वेन पार्नेल (10 रन पर तीन विकेट), माइकल ब्रेसवेल (16 रन पर दो विकेट) और कर्ण शर्मा (19 रन पर दो विकेट) की उम्दा गेंदबाजी के सामने शिमरोन हेटमायर (19 गेंद में 35 रन) के अलावा राजस्थान का कोई भी बल्लेबाज नहीं चला।

पावर प्ले में आधी टीम 28 रन पर पवेलियन लौट गई और इसके बाद उबर नहीं सकी। लीग के दूसरे हाफ में लगातार खराब प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर सैमसन ने प्रसारकों से कहा, वास्तव में यह एक बड़ा प्रश्न है। मैं इसके बारे में सोच रहा था और कहां गलती हुई। माफ कीजिएगा मेरे पास इसका जवाब नहीं है। ओपनर बल्लेबाज जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल सहित राजस्थान के चार बल्लेबाज खाता खोले बगैर आउट हुए, जबकि संजू सैमसन केवल चार रन ही बना सके। सैमसन ने कहा कि आईपीएल एक ऐसा टूर्नामेंट है जहां कुछ ही दिनों में उलटफेर हो सकता है। बता दें कि आरसीबी की टीम 14 साल बाद दूसरी बार 60 रन के भीतर सिमटी है। टीम 13 मैचों में 12 अंक के साथ छठे स्थान पर है। टीम की योजना पावरप्ले में अधिक रन बनाने की थी क्योंकि बाद में रन बनाना मुश्किल होता।

### कोलकाता के लिए प्लेऑफ की राह आसान नहीं

चेन्नई। कोलकाता ने भले ही चेन्नई सुपर किंग्स को इस मैच में आसानी से हरा दिया हो। लेकिन उनका अभी भी प्लेऑफ में पहुंचना बिल्कुल आसान नहीं है। केकेआर ने अब तक 13 मैच में 12 अंक हासिल किए हैं। अगर उन्हें प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना है तो उन्हें अगला मुकाबला बेहतर रन रेट से जीतना होगा। इतना ही नहीं बल्कि पंजाब, बैंगलोर, लखनऊ और मुंबई में से अगर कोई भी दो टीम 16 अंक तक पहुंच जाती हैं तो केकेआर प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। बहरहाल, चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटंस प्लेऑफ में क्वालीफाई करने की कगार पर हैं।

# जिन मुद्दों को उठाया जनता ने दिया साथ: पायलट

## » 'जन संघर्ष यात्रा' का अंतिम दिन, उमड़ी भीड़

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने कहा कि भ्रष्टाचार और पेपर लीक समेत जिन मुद्दों पर उन्होंने अपनी 'जन संघर्ष यात्रा' शुरू की उन्हें जनता ने स्वीकार किया है। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने अजमेर से शुरू हुई पांच दिवसीय यात्रा के चौथे दिन रविवार को जयपुर जिले के महला कस्बे से महापुरा तक लगभग 25 किमी की दूरी तय की।

सोमवार उनकी यात्रा का अंतिम दिन है।

अजमेर-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर महापुरा में एक बस की छत से अपने समर्थकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार, पेपर लीक, नौजवानों के भविष्य, स्वच्छ राजनीति समेत जिन मुद्दे को लेकर यह जन संघर्ष यात्रा शुरू की, उन तमाम बातों को जनता ने स्वीकार किया है।

### पहले भी उठ चुके है मुद्दे : कस्वां

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव रामसिंह कस्वां का आरोप है कि सचिन पायलट ने जो मुद्दे उठाए हैं। वे मुद्दे 7 साल पहले वे उठा चुके हैं। खान घोटाला और कालीन घोटाला सहित तमाम मुद्दों को लेकर मुकदमें भी दर्ज कराए गए और मामला सुप्रीम कोर्ट तक गया था। कस्वां का आरोप है कि वर्ष 2016 में उन्होंने सचिन पायलट से इन मुद्दों को लेकर पैरवी करने में सहयोग मांगा था लेकिन पायलट ने मना कर दिया था। दो दिन पहले कस्वां ने कहा था कि 11 जून 2016 को वे कांग्रेस के तत्कालीन प्रदेशाध्यक्ष सचिन पायलट के आवास पर गए और राजे के खिलाफ भ्रष्टाचार के मुद्दों पर मदद मांगी। तब पायलट ने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि वसुंधरा राजे के साथ उनके पारिवारिक रिश्ते हैं। अगर वे थोड़ा भी उनके खिलाफ बोले तो उन पर ऊपर से बड़ा दबाव आ जाता है।

### पायलट के मुद्दा उठाने के बाद हुई कार्रवाई : आसोपा

सचिन पायलट के कट्टर समर्थक कांग्रेस नेता सुशील आसोपा ने पूर्व सांसद रामसिंह कस्वां के आरोपों पर पलटवार किया है। आसोपा ने कहा कि खान घोटाले का खुलासा तो सचिन पायलट ने 25 सितंबर 2015 को दिल्ली एआईसीसी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस करके किया था। इसके बाद 14 अक्टूबर 2015 को पायलट दिल्ली में केन्द्रीय सतर्कता आयुक्त से मिले और 17 अक्टूबर को वसुंधरा राजे सरकार ने 653 खानों का आवंटन रद्द कर दिया था। उसी दिन राज्यपाल ने लोकपाल को जांच सौंपी थी। सुशील आसोपा के मुताबिक पायलट के मुद्दा उठाने के एक साल बाद अशोक गहलोत ने 19 मार्च 2016 को सोशल मीडिया पर सीबीआई जांच की मांग की थी।

# छत्तीसगढ़ में भीषण हादसा एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है, जिसमें एक ही परिवार के 6 लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में तीन लोग घायल बताए जा रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, हादसा जिले के खर्रा थाना इलाके में हुआ है। सभी लोग किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होकर पिकअप से घर लौट रहे थे। इसी दौरान ट्रक और पिकअप की टक्कर हो गई, जिसके बाद चीख पुकार मच गई। हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई और तीन लोगों की हालत गंभीर है।

बताया जा रहा कि पारिवारिक कार्यक्रम से सभी लोग पिकअप में लौट रहे थे। गाड़ी में बीस से अधिक लोग सवार थे। इसी दौरान ट्रक और पिकअप की आमने-सामने से आ रहे थे। जानकारी के मुताबिक, गलत दिशा से आने के कारण जोरदार टक्क र हुई। जिसके बाद मौके पर चीख पुकार मच गई।

### मृतकों में 5 महिलाएं और एक बच्चा शामिल

हादसे में जिन लोगों की मौत हुई उनमें बच्चा और पांच महिलाएं बताई जा रही हैं। जिनका नाम धनेश्वरी, प्रभा, धनेश्वरी की मां, घनश्याम, शांति और हेमा बताया जा रहा है। अब तक की जानकारी के मुताबिक, सभी मृतक तीन गांव के 6 लोग है। हादसा घोड़ा पुल नाम की जगह पर हुआ है। जहां पिकअप और ट्रक की टक्कर में पिकअप में सवार 6 लोगों की मौके पर मौत हो गई है।

# इमरान को लेकर फिर भड़का पाकिस्तान

## पूर्व पीएम की लाहौर हाईकोर्ट में पेशी, जेल जाने का खतरा देख भड़के समर्थक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के चीफ इमरान खान आज सोमवार, 15 मई को एक बार फिर अदालत पहुंचे हैं। इस बार इमरान लाहौर हाईकोर्टमें हाजिर हुए हैं, उनके खिलाफ एक मामले में सुनवाई चल रही है, उनके समर्थकों का हुजूम अदालत के बाहर एकत्रित हो गया है, टीवी चैनलों पर दिखाया जा रहा है कि इमरान समर्थक हुड़दंग कर रहे हैं।

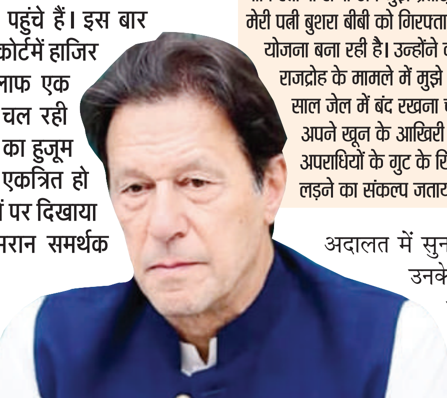

इमरान और उनके समर्थकों से जुड़े मामले में आज अदालत में सुनवाई चल रही है। उनके खिलाफ 9 मई को हुई हिंसा व आगजनी के आरोप में कई केस दर्ज कराए गए थे। इमरान के समर्थकों ने इमरान खान की गिरफ्तारी के खिलाफ कोर कमांडर के घर में आग लगाने और मुल्क के अन्य रक्षा प्रतिष्ठानों पर तोड़फोड़ की वारदातों को अंजाम दिया था. जिसके बाद इमरान समर्थकों की धर-पकड़ शुरू कर दी गई।

### मेरी पत्नी को गिरफ्तार करने की तैयारी में पाक सेना : इमरान

इमरान खान ने सोमवार रात ट्वीट कर कहा कि पाकिस्तानी सेना अब मुझे प्रताड़ति करने के लिए मेरी पत्नी बुशरा बीबी को गिरफ्तार करने की योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि वे राजद्रोह के मामले में मुझे कम से कम 10 साल जेल में बंद रखना चाहते हैं। खान ने अपने खून के आखिरी कतरे तक अपराधियों के गुट के खिलाफ लड़ाई लड़ने का संकल्प जताया।

### बड़ी संख्या में जुटे इमरान समर्थक

पाकिस्तानी चैनल के मुताबिक, इमरान अपने समर्थकों के साथ सोमवार, सुबह 11 बजे अदालत में हाजिर ?होने के लिए निकले. उनकी लाहौर हाईकोर्ट में पेशी हुई है। उनकी पार्टी पीटीआई के कुछ नेताओं ने संभावना जताई है कि इमरान को फिर से गिरफ्तार किया जा सकता है। ऐसे में इमरान समर्थक बड़ी संख्या में उनके साथ रवाना हुए। इससे पहले इमरान खान अल कादिर ट्रस्ट मामले में जमानत मिलने के बावजूद फिर से गिरफ्तारी के डर से इस्लामाबाद हाईकोर्ट परिसर में घंटों समय गुजारने के बाद शनिवार को लाहौर स्थित अपने आवास लौट आए थे. अब लाहौर हाईकोर्ट में ही उनके खिलाफ सुनवाई चल रही है।

# महाराष्ट्र के अहमदनगर में अब भी तनाव

## पथराव में कई पुलिसकर्मी घायल, अकोला में इंटरनेट बंद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महाराष्ट्र। महाराष्ट्र के अहमदनगर और अकोला शहर में हुई हिंसा से तनाव बना हुआ है। अहमदनगर के शहर शेवगांव में दो पक्षों के बीच पथराव की घटना सामने आई है। वहीं, अकोला में एक मामूली विवाद को लेकर दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हुई है। दोनों ही घटनाओं में स्थिति को काबू करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस हिंसक झड़प में कई लोगों के घायल होने की सूचना मिली है। वहीं, झड़प में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

14 मई की रात को अहमदनगर के शेवगांव में दो पक्षों के बीच पथराव हुआ। दरअसल, छत्रपति संभाजी महाराज जयंती के अवसर पर रात 8 बजे शोभायात्रा निकाली गई थी, तभी अचानक एक समूह ने पथराव कर दिया। दूसरे समूह के मुताबिक, पहले धार्मिक स्थल पर पथराव किया गया, जिसके जवाब में जुलूस पर पथराव किया। इसको लेकर दोनों पक्षों में पथराव होना शुरू हो गया। स्थिति को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। इस मामले में अब तक 102 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। राज्य रिजर्व पुलिस बल की 2 यूनिट इस समय शेवगांव में तैनात हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, इंस्टाग्राम पर एक विवादित पोस्ट को लेकर कई लोग पुलिस थाने पहुंचे थे और शिकायत दर्ज कराई। इसी बीच पुलिस स्टेशन पर भीड़ बेकाबू हो गई और वहां मौजूद वाहनों की तोड़फोड़ करने लगे। देखते ही देखते एक और समुदाय के लोग सामने आ गए और पथराव शुरू कर दिया। दोनों पक्षों के बीच जमकर झड़प हुई। पुलिस ने हालात को काबू में करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** **डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।